BYJU'S EXAM PREP

Daily Editorial Analysis

नव भारत साक्षरता कार्यक्रम

Important Editorial Analysis

नव भारत साक्षरता कार्यक्रम

नव भारत साक्षरता कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान प्रदान करना है, बल्कि अन्य घटकों को भी शामिल करना है जो 21 वीं सदी के नागरिक के लिए आवश्यक हैं। इसमें वित्तीय साक्षरता, डिजिटल साक्षरता, वाणिज्यिक कौशल, स्वास्थ्य देखभाल और जागरूकता, बाल देखभाल और शिक्षा, और परिवार कल्याण, स्थानीय रोजगार प्राप्त करने की दृष्टि से व्यावसायिक कौशल विकास, प्रारंभिक, मध्यम और माध्यमिक स्तर की समानता सहित बुनियादी शिक्षा और कला, विज्ञान, प्रौद्योगिकी शामिल है।

करेंट अफेयर्स से लगभग सभी प्रतियोगी परीक्षाओं में कई प्रश्न पूछे जाते हैं। यहां, हम आपको सबसे महत्वपूर्ण लेख नव भारत साक्षरता कार्यक्रम की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान कर रहे हैं जिसे आगामी यूपी राज्य परीक्षा में पूछा जा सकता है। यूपीपीएससी, यूपी लेखपाल, आरओ/एआरओ आदि परीक्षाओं के लिए यह वास्तव में महत्वपूर्ण होगा।

नव भारत साक्षरता कार्यक्रम का उद्देश्य:

नव भारत साक्षरता कार्यक्रम का उद्देश्य, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को- 15 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग में गैर-साक्षर लोगों के बीच साक्षरता को बढ़ावा देने में सहायता करना है। जिसके तहत, 2022-23 से 2026-27 तक की कार्यान्वयन अवधि के दौरान पूरे देश में 5 करोड़ गैर-साक्षरों को कवर किया जाएगा।

नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के प्रमुख बिंदु:

- योजना को 'स्वयंसेवा' के माध्यम से 'ऑनलाइन मोड' में लागू किया जाएगा।
- स्वयंसेवकों के प्रशिक्षण, अभिविन्यास, कार्यशालाओं का आयोजन फेस-टू-फेस मोड के माध्यम से किया जा सकता है।
- पंजीकृत स्वयंसेवकों को सभी सामग्री और संसाधन डिजिटल मोड के माध्यम से डिजिटल रूप से उपलब्ध कराए जाएंगे।
- योजना के कार्यान्वयन के लिए 'स्कूल', इकाई होगा।
- लाभार्थियों और स्वैच्छिक शिक्षकों का सर्वेक्षण करने के लिए विद्यालयों का उपयोग किया जाएगा।

- इसमें संस्कृति में समग्र वयस्क शिक्षा पाठ्यक्रमों को शामिल करने सहित निरंतर शिक्षा सहित महत्वपूर्ण जीवन कौशल शामिल हैं। खेल, और मनोरंजन, साथ ही साथ रुचि के अन्य विषयों या स्थानीय शिक्षार्थियों के लिए उपयोग, जैसे कि महत्वपूर्ण जीवन कौशल पर अधिक उन्नत सामग्री शामिल हैं।

भारत में कम साक्षरता दर के लिए जिम्मेदार कारक:

- माता-पिता/संरक्षकों में निरक्षरता
- सस्ती शिक्षा सुविधाओं की कमी
- शिक्षा को लेकर लोगो में जागरूकता की कमी
- देश में लगातार बढ़ रही बेरोजगारी में वृद्धि
- कम आय वाले गरीब माता-पिता पर महंगी शिक्षा का बोझ

नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के प्रमुख घटक:

- आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मकता
- महत्वपूर्ण जीवन कौशल।
- व्यावसायिक कौशल विकास
- बुनियादी शिक्षा।
- सतत शिक्षा।

भारत में साक्षरता दर:

- 2011 की जनगणना के उद्देश्य से, सात वर्ष या उससे अधिक आयु का व्यक्ति, जो किसी भी भाषा में समझ के साथ पढ़ और लिख सकता है, को साक्षर माना जाता है। एक व्यक्ति, जो केवल पढ़ सकता है, लेकिन लिख नहीं सकता, वह साक्षर नहीं है। 1991 से पहले के सेंसरस में, पांच साल से कम उम्र के बच्चों को जरूरी रूप से निरक्षर माना जाता था।
- 2011 की जनगणना के परिणामों से पता चलता है कि देश में साक्षरता में वृद्धि हुई है। देश में साक्षरता दर 74.04 प्रतिशत है, भारत में साक्षरता के मामले में पुरुष और महिलाओं में काफ़ी अंतर है जहां पुरुषों की साक्षरता दर 82.14 है वहीं महिलाओं में इसका प्रतिशत केवल 65.46 है।